



## श्री भृहद् मुंजर्ध वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ

संचालित मातृश्री महिअहेन महाशी भीमशी छाडवा (सामजीयारीवाजा)  
धार्मिक शिक्षण बोर्ड आयोजित वार्षिक परीक्षा जैनशाळांनुं पेपर

दा. ११/०१/२०१५

समय : ६ थी १२

श्रेणी :

४

कुल गुण : १००

प्र-१ (अ) नीचे दिये हुए प्रश्नोंके फक्त अंक्रमे उत्तर लिखो (स्वभावाके आधार पर)

- (१) अरिहंत भगवान केटला दोष शरित छे? (२) चंद्रना विमान पृथ्वीकी केटला जोअन अंचपणे होय छे? (३) केवळी भगवंतोनी जधन्य संख्या केटली? (४) त्रण मनोरथना चिंतवमार कोण होय छे? (५) आचार्यजीना केटला गुण होय छे? (६) नव जैवयेकमां केटली त्रिक होय छे? (७) अरिहंत भगवाने केटला कर्म अथ कर्मां छे? (८) पू. साधु-साध्वीजीनी जधन्य संख्या केटली? (९) आवकजी केटला गुणे सहित छे? (१०) उपाध्यायजी केटला अनचारना टाबळहार होय छे?

(ब) नीचे दिये हुए पाठों की पूर्ति करो। (१५)

- (१) मुताणें ... मणंत (२) पावयणं ... सल्लकतणं (३) प्राणतिपात  
मंथा (४) इहुं ... समयं (५) चअण्विहं ... पावकम्मोवअसं

(क) नीचे दिये हुए शब्दोंके अर्थ लिखो। (८)

- (१) अंगविहेणं (२) वेरमणं (३) अवमैत्रा (४) मोहरिअे (५) फासुअेणं  
(६) अवाणुअे (७) नीखसिअेणं (८) दंसण

(ड) नीचे दिये हुए अर्थ के भागधी शब्द लिखो। (७)

- (१) चार इन्द्रियबाला जीव (२) अेक स्थाने शरीने (३) कयु तथा सोनानी जे प्रमाणे मर्यादा करी होय (४) अेक वस्तु भोगवाय ते स्थान, पान आदि (५) ज्यां सुधी मर्यादा करी (६) मैथुन सेववाना प्रत्यास्थान  
(७) साधु-मूनिराजने

प्र-२ (अ) नीचे दिये हुए प्रश्नोंके उत्तर लिखो। (८)

- (१) सूत्र अणघ कोने कहे छे? त्रीजा व्रतनी कोटि केटली? (२) एत अेरले शुं? अदतादान अेरले शुं? (३) प्रतिवेसन प्रमार्पेन अेरले शुं?  
(४) पौषध व्रतमां शेना शेना पच्यकसाण करवामां आवे छे? (४ मुदा)  
(ब) योग्य विकल्प पसंद करा। (२)

- (१) जे पदार्थ फक्त एक जे वस्तु वापरी रकाय छे ते ... (आभोग, अवभोग, परिभोग)  
(२) कोइ पण वस्तुने तेना मालिकनी आसा विना लेवी ते ... (अदतादान, अम्रमदान, अस्तादान)

(३) प्रहर अेरले दिवस के शत्रिनो ... (त्रीजे भाग, बीजे भाग, चौथो भाग)

- (४) जे वस्तुअेने साधु-साध्वी वहेरी लीधा पछी पाछी आपता नथी, तेने वस्तुअे कहे छे. (पाठियारी, अपाठियारी, मिप्रपाठियारी)

(क) धर्मध्यानना काइसगना आधारे जेवाब लिखो। (५)

- (१) लोक शेनाथी संपूर्ण भरेले छे? (२) लोकाओ अ्युं जेज आवेलुं छे?

(3) अधोलोकमा भवनपतिना केटवा भवको होय छ ?

(8) धर्मध्यानको पहिलो भेद हुंकां सम्झावो

प्र-3 (अ) नीचे दिये हुए प्रश्नोंके उत्तर लिखो । (15)

(1) पाँचमो बोल लखो (2) लेश्या केटवी अने कई कई (3) ज्ञान अने दर्शन अटले शुं (4) आवकना 21 गुणभांथी चार गुण लखो ।

(5) पुण्यना 3 भेदभांथी छेल्ला छ पुण्यनां नाम लखो ।

(6) आ भेद क्या बोलमां आवे छे ते लखो । (2)

(1) प्राणातिपात (2) संग्रहनय (3) छेदोपस्थापनीय (4) क्रियावादी

(5) तिर्यंच (6) भक्तिअज्ञान

(ब) नीचे दिये हुए पाठ्य खरा-खोटा लिखो । खोटा ... हुआ (5)  
तो सुधारके लिखो ।

(1) काय अटले रूपी घदायोने आशिक रीते जाणवी ।

(2) उपयोगना 20 भेद होय छे । (3) तत्त्व विचारणानी पद्धतिने ध्यान कहे छे । (4) जेना योगे आत्मानो संबंध टकी रहे छे तेने द्वेषप्राण कहे छे (5) जेनामां चेतना छे तेने अजीव कहेवाय छे ।

(क) जोड़ी बनाओ । (अ) (ब) (1)

(1) निमेषा (2) आगम

(2) नय (3) प्रकृति

(3) साधुना भांगा (4) स्थापना

(4) बंध (5) नैगम (6) 252

(3) नीचे दिये हुए प्रश्नोंके उत्तर लिखो । (1)

(1) मान करवाना कारणे व्यक्ति शुं गुभावे छे । (2) नहेवारो केटवा प्रकारना छे ? क्या क्या ? (3) जैन धर्म रोमां रोमां जीव माने छे ?

(4) केवलदर्शन अटले शुं ? (5) फटाकडा फोडवाधी चकलीने शुं नुकसान धाय छे ? (6) राग अने द्वेषना कारणे शुं आवे छे ? (7) फटाकडा फोडवाधी अशाता वेदनीय अने ज्ञानावराणीय कर्म केवी रीते बंधाय छे ?

प्र-4 कथा के आधार पर प्रश्नोंके उत्तर लिखो । (10)

(1) कश्चिन्नं पल्लु नमत्तु न ह्युं ते जोइ मंत्रीजे शुं कश्युं ? त्वाय पत्नी शुं बन्धु ? (2) रोहियण चोरे महावीर प्रभुनी शुं देराना सांपत्ती (3) संतने जोइने संगमे शुं विचार्युं ? हुंका लखो । (4) धर्मसेवी अणगार वार्ता परथी तभने शुं बोधपाठ मळ्यो ? (2 मुदा)

(5) किसने किससे कहा ।

(6) "त्याग करवो होय तो सिटनी जेम अक साथे छोडवुं जोइजे, जा तो काथरता कहेवाय ।" (2) "हे प्रभु ! हुं... अणिक राजाने मळीने पाछो जावीने आपनी पास दिमा बरिहा ।"

प्र-5 काव्य पूर्ण करो: 1) आवेक दृष्टि... 2) जोया अनि (3) आयुष्य धरु धर चहुं (4) नमुं अनंत... जळतीर (5) विचरे विदेहे... सुखकार